**PGDDM**

# सत्रीय कार्य 2018

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

# आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
# (पी.जी.डी.डी.एम.)

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

# आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

**प्रस्तुतीकरण**

**आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।**

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

| सत्रीय कार्य संख्या | प्रस्तुति की तिथि | किसे भेजें |
|---|---|---|
| **एम.पी.ए.–001**<br>**एम.पी.ए.–002**<br>**एम.पी.ए.–003**<br>**एम.पी.ए.–004**<br>**एम.पी.ए.–005**<br>**एम.पी.ए.–006**<br>**एम.पी.ए.–007**<br>**एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)** | **जनवरी 2018 सत्र के लिए 30 सितंबर 2018**<br><br>**जुलाई 2018 सत्र के लिए 31 मार्च 2019** | **अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को** |

# सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

**प्रो. उमा मेडूरी**
**प्रो. डौली मैथ्यू**
**(कार्यक्रम संयोजक)**

# एम.पी.ए.-001
## प्राकृतिक आपदाओं को समझना
## सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–001
सत्रीय कार्य कोड :एम.पी.ए.–001
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

### भाग -I

1. प्राकृतिक आपदाओं के विभिन्न प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. भारत में केन्द्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के संगठनात्मक ढाँचे का वर्णन कीजिए।
3. भूकंप संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझाना चाहेंगे?
4. सूखे के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए और आपदा प्रबंधन में राज्य सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
5. 'आपदा प्रबंधन में चक्रवात संभावित राज्य में प्रभावी चेतावनी और पूर्वानुमान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं'। व्याख्या कीजिए।

### भाग -II

6. भारत में भूस्खलन से संबंधित खतरा कम करने के उपायों पर चर्चा कीजिए।
7. उष्णता और शीत लहरों के कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए।
8. कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का विवेचन कीजिए।
9. ज्वालामुखी आपदाओं के कारणों और प्रभावों का विस्तृत विवरण दीजिए।
10. भारतीय तटीय क्षेत्रों पर समुद्र तल में वृद्धि के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

# एम.पी.ए.-002
## मानव–निर्मित आपदाओं को समझना
## सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–002
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–002
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

### भाग -I

1. मानव–निर्मित आपदाओं के स्वरूप पर चर्चा कीजिए एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उजागर कीजिए।
2. रासायनिक आपदाओं के प्रमुख कारण और प्रभाव कौन–कौन से हैं?
3. कोयले में आग लगने संबंधी आपदा न्यूनीकरण के लिए उपाय समझाइए।
4. दावानलों के कारणों एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
5. 'तेल में लगने वाली आग से संबंधित आपदा प्रबंधन में तैयारी और अनुक्रिया महत्वपूर्ण चरण हैं'। टिप्पणी कीजिए।

### भाग -II

6. 'वायु प्रदूशक मानवों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं'। जाँच कीजिए।
7. वनोन्मूलन के कारणों एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
8. रेल दुर्घटनाओं के कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए।
9. विमान दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए तथा पूर्वघटित विमान दुर्घटनाओं से सीखे गए पाठों को उजागर कीजिए।
10. प्रत्येक समुद्री दुर्घटना के मानव जीवन, पर्यावरण और सम्पति पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर करते हुए दुर्घटनाओं के कारणों की व्याख्या कीजिए।

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
# एम.पी.ए.-003
# जोखिम आकंलन और संवेदनशीलता विश्लेषण

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए. -003
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए. -003
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग -I

1. संकट को परिभाषित कीजिए तथा उसके वर्गीकरण को समझाइए कीजिए।
2. जोखिम की ऐतिहासिक प्रगति का वर्णन कीजिए।
3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका की चर्चा कीजिए।
4. जोखिम को एक मुख्यधारा के रूप में शामिल करने पर एक टिप्पणी लिखिए।
5. आपदा प्रबंधन में जेंडर आधारित दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

## भाग -II

6. आपदा क्षति के सामाजिक तथा आर्थिक घटकों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।
7. शहरों की संवेदशीलता एक बहु–आयामी समस्या है।
8. 'संवेदनशीलता का अभाव राज्यों के हस्तक्षेप से होता है'। चर्चा कीजिए।
9. 'निवारक रणनीतियाँ मूलत आपदा क्षति को कम करती है'। चर्चा कीजिए।
10. क्षेत्रयता में कमी लाने वाली विकास योजनाओं के प्रमुख विचारों को संक्षिप्त में समझाइए।

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
# एम.पी.ए.-004
# आपदा तैयारी

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए. -004
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए. -004
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग -I

1. आपदा तैयारी से क्या तात्पर्य है? आपदा तैयारी में शामिल सिद्धांतों एवं गतिविधियों की व्याख्या कीजिए।
2. संवेदनशील गुटों पर आपदा के प्रभाव को कम करने वाली दो या तीन रणनीतियों का विश्लेषण कीजिए।
3. समुदाय आधारित आपदा तैयारी की आवश्यकता एवं महत्व की रूपरेखा बताइए।
4. एन.सी.सी., स्काउट्स एवं गाइड्स का सृजन क्यों हुआ तथा आपदा के दौरान उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी का विवरण कीजिए।
5. आपदा तैयारी के लिए भूमि उपयोग क्षेत्रीकरण के उपयोग का विवरण कीजिए।

## भाग -II

6. आपदा न्यूनीकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए एवं उसके महत्व को उजागर कीजिए।
7. आपदा न्यूनीकरण के लिए महत्वपूर्ण नीति हस्तक्षेपों की पहचान कीजिए।
8. स्थायी भूमि उपयोग योजना में शामिल अहम मुद्दों को उजागर कीजिए।
9. आपदा न्यूनीकरण में विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन विकास एवं क्षमता निर्माण की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
10. किन्हीं दो युद्ध वियोजन तकनीकों की चर्चा कीजिए।

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
# एम.पी.ए.-005
# आपदा प्रतिक्रिया

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए. -005
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए. -005
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग -I

1. प्रतिक्रिया योजनाओं में अन्य अभिकरणों की भूमिका की पहचान कीजिए।
2. ट्रिगर (Trigger) तंत्र को परिभाषित कीजिए।
3. प्रतिक्रिया योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में हितधारकों के महत्व पर प्रकाश डालिए।
4. आपदा प्रतिक्रिया में मीडिया की भूमिका की रूपरेखा बताइए।
5. आपदा के दौरान और आपदा के पश्चात मानव आचरण की चर्चा कीजिए।

## भाग -II

6. तनाव क्या है? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
7. स्वास्थ्य सेवाओं के न्यूनतम मानकों को उजागर कीजिए।
8. घबराहट को परिभाषित कीजिए तथा उसके प्रबंधन की व्याख्या कीजिए।
9. भारत में राहत प्रबंधन किस प्रकार किया जाता है? एक उदाहरण दीजिए।
10. स्वेदनशीलता न्यूनीकरण के स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
# एम.पी.ए.-006
# आपदा चिकित्सा

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए. -006
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए. -006
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग -I

1. 'महामारी रोग-विज्ञान की कार्यवाहियाँ एक मानकीकृत रास्ता अख्तियार करती हैं'। चर्चा कीजिए।
2. टीकाकरण पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. अस्पताल पूर्व-चिकित्सा तैयारी योजना का वर्णन कीजिए।
4. साजो-सामान प्रबंधन के घटकों का विवरण कीजिए।
5. 'दूर-दराज के क्षेत्रों में चिकित्सा अनुक्रिया दो अवस्थाओं में विभक्त हैं'। विस्तार कीजिए।

## भाग -II

6. 'अस्पताल सतर्कता व अनुक्रिया तथा चिकित्सालयी देखभाल, चिकित्सालयी आपात प्रबंधन के घटक हैं'। चर्चा कीजिए।
7. चक्रवात के समय चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया का विवरण कीजिए।
8. चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया में भौगोलिक सूचना प्रणाली की भूमिका का वर्णन कीजिए।
9. मनोवैज्ञानिक पुनर्वास में आगे की सेवाएं तथा आगे की कार्यवाहियों की चर्चा कीजिए।
10. हृदय फुप्फुसीय पुनरूज्जीव (cardio-pulmonary resuscitation) पर एक टिप्पणी लिखिए।

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
# एम.पी.ए.-007
# पुनर्वास, पुननिर्माण और पुनरूत्थान

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–007
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018
पूर्णांक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग -I

1. आपदा और विकास के संबंध का परीक्षण कीजिए।
2. आपदा प्रबंधन में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
3. सूचना प्रसार प्रभावशाली आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। स्पष्ट कीजिए।
4. आजीविका का क्या तात्पर्य है? पूननिर्माण के दृष्टिकोण से उसकी प्रासंगिकता को प्रकाशित कीजिए।
5. 'आपदा प्रबंधन में बीमा एक महत्वपूर्ण जोखिम प्रबंधन तकनीक है'। टिप्पणी कीजिए।

## भाग -II

6. आपदा प्रबंधन में शिक्षा, जागरूकता एवं प्रशिक्षण के महत्व एवं व्यापकता का परीक्षण कीजिए।
7. आपदा पुनप्राप्ति की प्रक्रिया को मानवतावादी बनाने वाले प्रयासों की चर्चा कीजिए।
8. मलपा भू-स्खलन के संदर्भ में, आपदा प्रबंधन में संयुक्त विभिन्न हितकारों की भूमिका को समझाईए।
9. नियंत्रण और मूल्यांकन में आने वाली बाधाओं का विश्लेषण कीजिए।
10. समुदाय आधारित आपदा रोकथाम योजना की दीर्घकालिक लक्ष्यों की चर्चा कीजिए।

# एम.ई.डी–004
## सहभागी प्रबंधन की ओर
## सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

**पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी–004**
**सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2018**
**अंक : 50**

**इस सत्रीय कार्य में भाग I और II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न है। आपको कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों को 400 शब्दों (प्रत्येक) में करना है। यह आवश्यक है कि कम से कम दो प्रश्न प्रत्येक भाग में से होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

### भाग-I

1. सहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन को सहभागिता प्रबंधन के एक बुनियादी उपकरण के रूप में चर्चा कीजिए तथा ये उपकरण भागीदारी परियोजनाओं के विकास में किस प्रकार से प्रयोग में लाये जाते हैं?
2. सुशासन क्या है? सुशासन की किन्हीं छह विशेषताओं की सूची बनाइए। सहभागिता प्रबंधन आदर्श किस प्रकार सुशासन के लिए सहायक है?
3. भागीदारी के विभिन्न सिद्धांतों का परीक्षण कीजिए तथा उसकी बाध्यताओं का विश्लेषण कीजिए।
4. पर्यावरण एवं विकास में महिलाओं की भूमिका का विवरण कीजिए। पर्यावरण की सुरक्षा में एक सफल महिला आंदोलन का उदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. विकास कार्यों में युवाओं की भूमिका एवं कार्यों को उजागर कीजिए।

### भाग-II

6. निम्नलिखित की अपनी शब्दों में चर्चा कीजिए :
   क) दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं लक्ष्य
   ख) दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम के कार्य
   ग) दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण की अविरत परियोजनायें।
7. 'शिक्षण में विपर्ययता' (Reversals in Learning) आदर्श किसानों को किस प्रकार सतत एवं न्यायसंगत विकास में सहायता करता है?
8. 'ओरंगी पायलट प्रोजक्ट' हमारे देश में एक आदर्श शहरी इकाई बनाने में सहायता कर सकता है। विस्तृत वर्णन कीजिए।
9. क) भागीदारी वन प्रबंधन, जंगल और जंगल के किनारे रहने वाले लोगों के विकास में किस प्रकार सहायता कर सकता है?
   ख) पर्यटन और शहरीकरण, पर्वत पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रहे हैं। चर्चा कीजिए।
   ग) सतत पर्वत विकास हेतु, लिये जाने वाले उपाय सुझाइए।
10. क) पी.एम.टी. और आई.एम.टी. के बीच अंतर बताइए।
    ख) तटीय समुदाय की भागीदारी एकीकृत तटीय प्रबंधन प्रकिया में किस प्रकार सहायक है?
    ग) हमारे देश में आर्द्र भूमि का महत्व क्या है और इसे कैसे संरक्षित किया जाना चाहिए?